KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 1

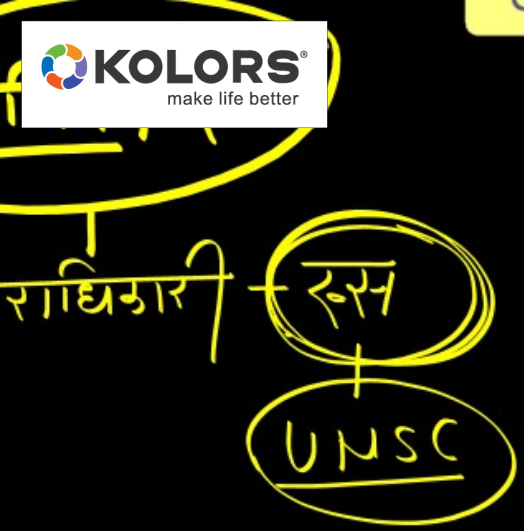
दो ध्रुवीयता का अंत

भाग - 4

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



गृहयुद्ध और बगावत :-

- रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में हिंसक अलगाववादी आंदोलन चले।
- मध्य एशिया में, तजिकिस्तान दस वर्षो तक (2002 तक) गृहयुद्ध की चपेट में रहा।
- अजरबैजान के एक प्रांत नगरनों कराबाख के कुछ स्थानीय अमेनियाई अलग होकर अर्मेनिया से मिलना चाहते थे।
- जार्जिया में दो प्रांत स्वतंत्रता चाहते हैं और गृहयुद्ध लड़ रहे हैं।
- यूक्रेन, किरगिस्तान तथा जार्जिया में मौजूदा शासन को उखाड़ फेंकने के लिए संघर्ष चल रहे हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पूर्वी यूरोप में चेकोस्लोवाकिया शांतिपूर्वक दो भागों में बंट गया।
- युगोस्लाविया कई प्रांतों में टूट गया और इसमें शामिल बोस्निया-हर्जेगोविना, सलोवेनिया तथा क्रोएशिया में अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



संघर्ष और तनाव

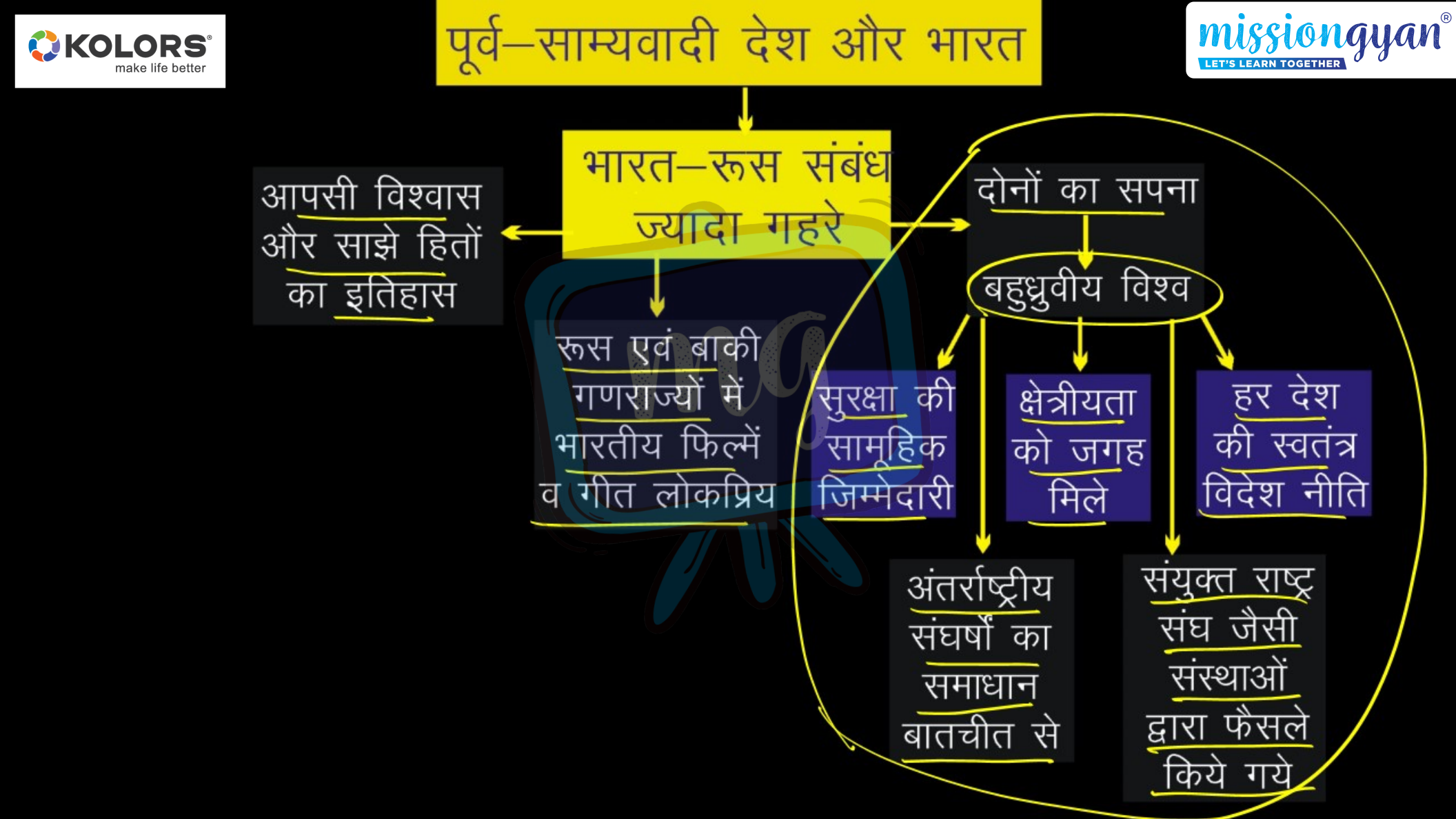
बड़ी ताकतों का दखल :-

मध्य एशियाई गणराज्यों में हाइड्रोकार्बनिक संसाधनों का विशाल भण्डार

- इन गणराज्यों को आर्थिक लाभ
- बाहरी ताकतों और तेल कंपनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा
- रूस, चीन और अफगानिस्तान से सटा हुआ
  - रूस इसे अपना निकटवर्ती विदेश मानता है।
    - रूस के प्रभाव में रहना चाहिए।
  - पश्चिमी एशिया के भी नजदीक
    - अमरीका सैनिक ठिकाना बनाना चाहता है।
- खनिज तेल की मौजूदगी से चीन के हित भी जुड़े
  - चीनियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में आकर व्यापार करना शुरू कर दिया

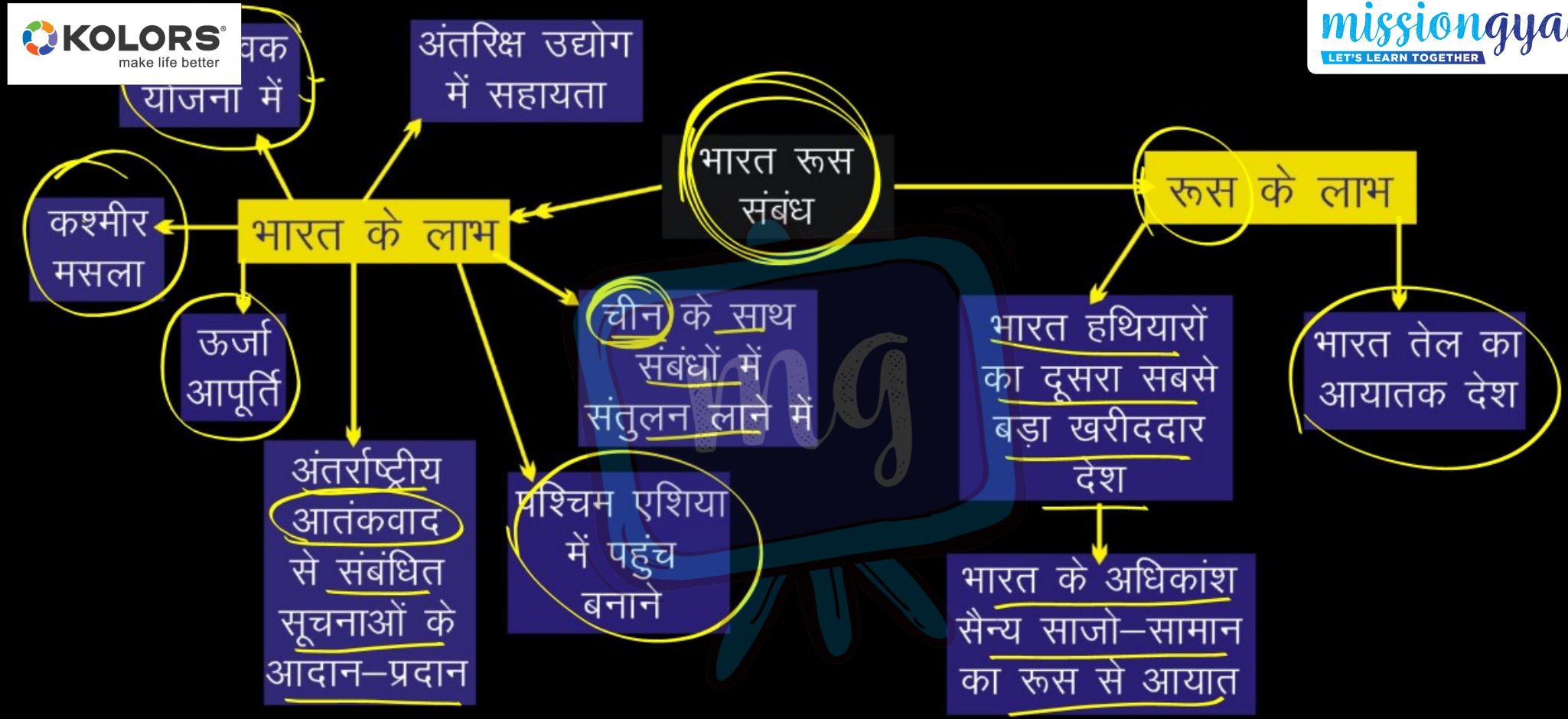
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?

(क) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।

(ख) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियंत्रण होना।

(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।

(घ) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था।

उत्तर – (ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ?

(क) अफगान संकट — १९७१

(ख) बर्लिन दीवार का गिरना → १९८१

(ग) सोवियत संघ का विघटन – १९९१

(घ) रूसी क्रांति – १९१७

उत्तर : (घ) रूसी क्रांति

(क) अफगान संकट

(ख) बर्लिन दीवार का गिरना

(ग) सोवियत संघ का विघटन

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित में कौनसा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है?

(क) संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के बीच विचाराधारात्मक लड़ाई का अंत

(ख) स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकृत (सीआईएस) का जन्म

(ग) विश्व व्यवस्था के शक्ति संतुलन में बदलाव

(घ) मध्यपूर्व में संकट

उत्तर : (घ) मध्यपूर्व में संकट

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. निम्नलिखित में मेल बैठाएं -

(1)	मिस्त्राइल गोर्बाचेव	(क)	सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
(2)	शॉक थैरेपी	(ख)	सैन्य समझौता
(3)	रूस	(ग)	सुधारों की शुरूआत
(4)	बोरिस येल्तसिन	(घ)	आर्थिक मॉडल
(5)	वारसां	(ड.)	रूस के राष्ट्रपति

उत्तर : (1) → (ग), (2) → (घ), (3) → (क), (4) → (ड़), (5)→(ख़)

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें ।

(क) सोवियत राजनीतिक प्रणाली .....को विचारधारा पर आधारित थी।

(ख) सोवियत संघ द्वारा बनाया गया सैन्य गठबंधन .... था।

(ग) .....पार्टी का सोवियत राजनीतिक व्यवस्था पर दबदबा था।

(घ) ..... ने 1985 में सोवियत संघ में सुधारों की शुरूआत की।

(ड.) .....का गिरना शीतयुद्ध के अंग का प्रतीक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

(क) साम्यवाद

(ख) वारसा पैक्ट

(ग) कम्युनिस्ट पार्टी

(घ) मिखाइल गोर्बाचेव

(ड़) बर्लिन की दीवार

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूंजीवादी देश जैसे संयुक्त राज्य अमरीका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली किन्हीं तीन विशेषताओं का जिक्र करें।

उत्तर :

- सोवियत अर्थव्यवस्था समाजवादी तथा साम्यवादी अर्थव्यवस्था पर आधारित।
- सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियंत्रण में।
- भूमि एवं अन्य उत्पादक संपदाओं पर राज्य का पूरा नियंत्रण

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. किन बातों के कारण गोर्बाचेव सोवियत संघ में सुधार के लिए बाध्य हुए?

उत्तर :

- सोवियत संघ में धीरे धीरे नौकरशाही का प्रभाव पड़ता गया तथा पूरी व्यवस्था नौकरशाही के शिकंजे में कसती चली गयी। इस कारण सोवियत प्रणाली सत्तावादी हो गयी।
- लोकतंत्र व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं।
- सोवियत संघ में रूस का अधिक प्रभाव।
- डांवाडोल आर्थिक स्थिति।
- बुनियादी एवं तकनीकी ढांचे में लगातार पिछड़ापन आदि।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. **भारत जैसे देशों के लिए सोवियत संघ के विघटन के क्या परिणाम हुए?**

उत्तर : सोवियत संघ के विघटन से विश्व में केवल महाशक्ति रह गयी अमेरिका।

- भारत जैसे विकासशील देशों की यह मजबूरी थी कि वे अमरीका के साथ चले।
- सोवियत संघ के विघटन से अमरीका का विकासशील देशों जैसे - अफगानिस्तान, ईरान एवं इराक में अनावश्यक हस्तक्षेप बढ़ गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विश्व के महत्वपूर्ण संगठनों पर अमरीकी प्रभुत्व कायम हो गया जिससे भारत जैसे देशों को इनसे मदद लेने के लिए परोक्ष रूप से अमरीकी नीतियों का समर्थन करना पड़ा।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. शॉक थैरेपी क्या थी? क्या साम्यवाद से पूंजीवाद की तरफ संक्रमण का यह सबसे बेहतर तरीका था?

उत्तर : सोवियत संघ के पतन के बाद रूस, पूर्वी, यूरोप तथा मध्य एशिया के देशों में साम्यवादी से पूंजीवादी की ओर संक्रमण के लिए एक विशेष मॉडल अपनाया गया, जिसे 'शॉक थैरेपी' कहा जाता है। विश्व बैंक एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा इस प्रकार के मॉडल को अपनाया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण के लिए यह बेहतर तरीका नहीं था क्योंकि पूंजीवाद सुधार तुरंत किये जाने से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तहस नहस हो गयी थी। यहां की जनता को बर्बादी की मार झेलनी पड़ी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. निम्नलिखित कथन के पक्ष या विपक्ष में एक लेख लिखें - ''दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदलनी चाहिए और रूस जैसे परंपरागत मित्र की जगह संयुक्त राज्य अमरीका से दोस्ती पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए?'

उत्तर : दूसरी दुनिया के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत की विदेश नीति पहले से ही वैश्विक राजनीत में हुए परिवर्तनों को आत्मसात् करने एवं उनका अपने हित में उपयोग करने में सक्षम है।
- सोवियत संघ के विघटन के बाद मध्य एशियाई देशों के साथ भारत ने संबद्ध मजबूत किये।
- गुटनिरपेक्षता की नीति के कारण भारत के संबंध पहले से ही रूस व अमरीका के साथ संतुलित थे।
- अब भी भारत को अमरीका के साथ उसी नीति के आधार पर, बदलते वैश्विक परिदृश्य की मांग को ध्यान में रखते हुए अपनी विदेश नीति का निर्धारण किया जाना चाहिए।